खबर संक्षेप

बाल संरक्षण योजनाओं पर प्रशिक्षण आयोजित

शहडोल। जिला पंचायत सभागार में बाल संरक्षण योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व बाल संरक्षण आयोग सदस्य मेघा पवार ने दागना कुप्रथा पर रोक और नवजातों को स्वास्थ्य व आंगनवाड़ी सेवाएं सुनिश्चित करने पर बल दिया। कार्यक्रम में किशोर न्याय अधिनियम 2015, पॉक्सो एक्ट, किशोर न्याय बोर्ड के कार्य एवं बाल संरक्षण योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति अध्यक्ष श्रीमती कल्याणी वाजपेयी, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, सदस्य प्रदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में युवा उत्सव के द्वितीय दिवस पर वाद-विवाद

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय युवा उत्सव 2025-26 के द्वितीय दिवस पर विद्यार्थियों ने उत्साह और ऊर्जा के साथ प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत वाद-विवाद और प्रश्नमंच प्रतियोगिताओं से हुई। वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. चेतना सिंह के संयोजन में किया गया, जिसमें वीरेंद्र कुर्मी और आयुष द्विवेदी ने सहयोग किया। विषय था, आधुनिक शिक्षा प्रणाली में गुरुकुल पद्धति लागू करने की आवश्यकता। प्रतिभागियों ने पक्ष व विपक्ष में प्रभावी तर्क रखे। प्रश्नमंच प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. ममता प्रजापति ने किया, जिसमें डॉ. हेमंत पाठक, प्रो. मनीषा तिवारी, श्रीमती लक्ष्मी सिंह, मनीष तिवारी और डॉ. कात्यायनी शुक्ला सहयोगी रहे। कार्यक्रम में प्रो. गीता सराफ, डॉ. रजनी गौतम, डॉ. प्रज्ञा यादव, डॉ. पूर्णिमा शर्मा, डॉ. धानी जामोद, डॉ. सुषमा नेताम सहित अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का शुभारंभ

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने बताया कि भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अक्टूबर 2025 को किया। यह अभियान 60 दिनों तक जिले में संचालित होगा, जिसका उद्देश्य युवाओं को तम्बाकू एवं उसके उत्पादों से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान से जागरूक कर तम्बाकू सेवन से दूर रखना है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि तम्बाकू सेवन से कैंसर, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता है। अभियान शिक्षा, पंचायत, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से संचालित होगा। जिला नोडल अधिकारी के रूप में डॉ. पुनीत श्रीवास्तव नियुक्त किए गए हैं। डॉ. मिश्रा ने जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और मीडिया से इस राष्ट्र निर्माण अभियान को सफल बनाने में सहयोग की अपील की।

शहडोल में वन्यजीवों का दोहरा आतंक

शहडोल। जिले में वन्यजीवों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ब्यौहारी क्षेत्र में जंगली हाथियों का झुंड किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर रहा है, वहीं दूसरी ओर केशवाही वन परिक्षेत्र के बालबाहरा गांव में भालू का आतंक ग्रामीणों के लिए नई मुसीबत बन गया है। सूत्रों के अनुसार, जैतपुर वन परिक्षेत्र के केशवाही रेंज के अंतर्गत बालबाहरा गांव में एक भालू पिछले एक सप्ताह से सुबह-सुबह खेतों और बस्ती के आसपास घूमता देखा जा रहा है। भालू कई बार सीधे धान के खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा चुका है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। इधर ब्यौहारी क्षेत्र के अनहरा और नादव गांवों में दर्जनभर से अधिक जंगली हाथियों का झुंड धावा बोल चुका है। इन हाथियों ने एक एकड़ से अधिक धान की फसल रौंद डाली, जिससे किसानों का भारी नुकसान हुआ है। ग्रामीण रातभर खेतों की रखवाली कर रहे हैं, लेकिन वन विभाग की कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रही है। शहडोल में अब यह डबल खतरा हाथियों और भालू का है, किसानों की आजीविका और जनजीवन दोनों के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल सुरक्षा और राहत की मांग की है।

पुलिस अधीक्षक हाय-हाय, पुलिस प्रशासन मुर्दाबाद

भाजपा नेताओं का नारों के साथ विरोध

केशवाही में दुर्गा विसर्जन जुलूस के दौरान हुए पथराव मामले को लेकर भाजपा के विधायक, पूर्व जिलाध्यक्ष, पार्षद और संगठन के वर्तमान व पूर्व पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और पुलिस अधीक्षक हाय-हाय, पुलिस-प्रशासन मुर्दाबाद के नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया। सवाल यह है कि मध्यप्रदेश में 2003 से भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी 12 साल से सत्ता भाजपा के हाथ में है, फिर भी स्थानीय भाजपाई अपने आप को असहाय क्यों महसूस कर रहे हैं।

भाजपा नेताओं और हिंदू संगठनों का बवाल कानून-व्यवस्था पर सवाल, केशवाही पथराव मामला

शहडोल।

जिले के केशवाही में 3 और 4 अक्टूबर को दुर्गा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई पथराव की घटना अब राजनीतिक और सामाजिक रूप ले चुकी है। शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और हिंदू समाज के सैकड़ों कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए नौ निर्दोषों पर दर्ज एफआईआर वापस लेने की मांग की। जानकारी के अनुसार, जुलूस के दौरान अचानक पथराव हुआ था, जिसमें तीन से चार महिलाएं घायल हुईं। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बना दिया। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की, लेकिन जब प्रशासन की चुप्पी जारी रही, तो अगले दिन जनता ने बैंड और विरोध प्रदर्शन का आवाहन किया। इसी दौरान स्थिति बिगड़ गई और पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया।

पुलिस की ज्यादती

लाठीचार्ज के बाद 09 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई और करीब 20-25 अन्य लोगों को भी मामले में शामिल किया गया। इसके बाद पुलिस पर आरोप लगे कि वह विरोध करने वाले युवकों को रात में उठाकर मारपीट कर रही है। इसी बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें कथित रूप से पुलिस कर्मियों द्वारा ग्रामीणों से मारपीट करते हुए दिखाया गया। इस वीडियो ने आग में घी का काम किया और हिंदू संगठनों ने इसे पुलिस की ज्यादती बताते हुए जमकर हंगामा किया।

निर्दोषों पर दर्ज एफआईआर हो वापस

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि असली पत्थरबाज खुले घूम रहे हैं, जबकि शांतिपूर्ण विरोध करने वालों को अपराधी बना दिया गया। संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि निर्दोषों पर दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली गई और असली दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस पूरे मामले में एक और चौंकाने वाला राजनीतिक पक्ष भी सामने आया। पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने वाले अधिकांश लोग भाजपा के वर्तमान और पूर्व पदाधिकारी, पार्षद और विधायक थे। यह वही लोग हैं जिन्होंने हाल ही में भाजपा जिलाध्यक्ष के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान भी चलाया था।

सत्ता संघर्ष और विरोध की गहरी दरारें

मध्यप्रदेश में 2003 से भाजपा की सरकार है और केंद्र में भी 12 साल से भाजपा सत्ता में है, फिर भी इन पदाधिकारियों ने खुद को असहाय महसूस किया और खुले तौर पर पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास किया। विश्लेषकों का कहना है कि यह केवल शक्ति प्रदर्शन नहीं, बल्कि भाजपा के अंदरूनी विरोध और संगठनात्मक लड़ाई की अभिव्यक्ति है। इस आंदोलन में नजर आए नेताओं ने प्रशासन की निष्पक्षता और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए, यह संकेत देता है कि भाजपा के भीतर भी सत्ता संघर्ष और विरोध की गहरी दरारें हैं।

नहीं रह गया पथराव का मामला

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की और कथित आरोपी पुलिस कर्मियों पर भी जांच शुरू कर दी। बावजूद इसके, सवाल यह है कि क्या यह घटना प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली की असफलता थी या भाजपा नेताओं की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा। केशवाही की यह घटना अब सिर्फ पथराव का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक निष्पक्षता और राजनीतिक सत्ता संघर्ष की ज्वलंत तस्वीर प्रस्तुत कर रही है। स्थानीय जनता और संगठन अब देख रहे हैं कि प्रशासन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगा या भाजपा नेताओं की दबंग राजनीति के आगे कदम पीछे करेगा।

शहडोल के जंगलों में अवस्थी माफिया का खैर साम्राज्य

शहडोल। जिले के जंगलों में खैर की लकड़ी की अवैध कटाई लगातार बढ़ती जा रही है। वन माफिया अवस्थी ने खुलेआम जंगलों में डेरा डाल लिया है और खैर के पेड़ों का सफाया कर रहा है, जबकि वन विभाग के अमला सहित जिम्मेदार अधिकारी कथित सावधानी और गंभीरता के नाम पर कानों में ताले जडक़र सोए हुए हैं। पहले यह धंधा रात के अंधेरे में चलता था, ताकि किसी की नजऱ न पड़े, लेकिन अब अवस्थी जी ने साहस का नया स्तर छू लिया है, जंगलों में खुलेआम खैर की लकड़ी कटवाना और जिम्मेदार अधिकारियों की मुस्कुराती आंखों के सामने अपना साम्राज्य दिखाना। पूर्व में पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में भी कथित वन माफिया ने खैर के पेड़ कटवाए थे। अब शहडोल वन परिक्षेत्र के बिजौरी क्षेत्र में वही खेल शुरू हो गया है। छीरपटपर क्षेत्र में कटे खैर के पेड़ इसकी बानगी हैं कि जंगलों का सफाया जोर-शोर से जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की टीम मौके पर आई थी, लेकिन मामला आपस में सुलझा लिया गया। स्थानीय जागरूक लोगों द्वारा वन विभाग को सूचना दी जाती है, लेकिन जिम्मेदार कर्मचारी टाल-मटोल और लेट-लतीफी करने में जुटे रहते हैं। बीते दिनों रेंजर को सूचना दी गई, जिन्हें रवाना किया गया, वह दोपहिया वाहन पर निकले और कटाई स्थल तक पहुँचने में लगभग एक घंटा लग गया और तो और, जब पेड़ कटाई स्थल से फोन किया गया तो उक्त सिपाही कोनी तिराहे पर थे, जबकि सूचना देने वाला व्यक्ति 01 घंटे बाद इंजीनियरिंग कॉलेज पहुँच गया। इससे स्पष्ट होता है कि वन विभाग का काम केवल ड्रामेबाजी, विलंब और औपचारिकता तक सीमित है। आस-पास के जंगलों से कटे पेड़ों को छीरपटपर में छिपाया जाता है और संभवतः किसी बल्लू के खेत में भी खैर के पेड़ काटे गए। ग्रामीणों ने साफ कहा कि बाहरी लोग आकर अवस्थी के इशारे पर लकड़ी काट रहे हैं। वन विभाग के अधिकारी अब पड़ताल में जुटे हैं, लेकिन उनका रवैया अब भी दर्शक बनने और रिपोर्ट लिखने तक सीमित दिखाई देता है। सूत्रों के अनुसार, दक्षिण वन मंडल की मुखिया ने मामले को संज्ञान में लिया है, लेकिन सवाल यह है कि अवस्थी जी कब तक खैर मानेंगे और वन विभाग कब जागेगा? जंगलों का यह डबल खतरा माफिया और नींद में सोते वन अमले का किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। स्थानीय लोग और पर्यावरण प्रेमी अब सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि बिना अवस्थी जैसे माफियाओं पर शिकंजा कसे, शहडोल के जंगलों और खैर के पेड़ों की सुरक्षा केवल कागजों की रिपोर्ट और अफसरों के बहाने तक सीमित रहेगी। वन विभाग की यह उदासीनता स्पष्ट कर देती है कि जंगलों का संरक्षण अब ड्रामा और माफियाओं की मनमानी पर टिका है।

कोचिंग से लौटते छात्र पर चाकू से 10 वार

कोरेक्स सिरप विवाद बना खूनी संघर्ष

अस्पताल में एमएलसी से इनकार पर बवाल

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर से शुक्रवार देर शाम एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। कोचिंग से लौट रहे कक्षा 12 वीं के छात्र पर उसके ही साथी छात्र ने धारदार चाकू से ताबड़तोड़ 10 वार कर दिए। घटना इतनी भयावह थी कि कुछ ही सेकेंड में आस-पास अफरा-तफरी मच गई और राहगीरों में दहशत फैल गई। जानकारी के अनुसार, घटना जनकपुर रोड बायपास स्थित मॉडल स्कूल के पास की है। बताया जा रहा है कि जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के सीएम राइस स्कूल में पढऩे वाले कक्षा 11 वीं और 12 वीं के दो छात्रों के बीच बीते दिनों विवाद हुआ था। दरअसल 12 वीं के छात्र ने आरोपी छात्र को स्कूल परिसर में कोरेक्स सिरप पीने से मना किया था। इसी बात पर दोनों में कहासुनी हुई और आरोपी ने बदला लेने की ठान ली। गुरुवार की शाम आरोपी छात्र ने कोचिंग से लौट रहे 12वीं के छात्र पर अचानक हमला कर दिया। उसने एक के बाद एक 10 बार चाकू से वार किए, जिससे छात्र लहूलुहान होकर सडक़ पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल छात्र को जयसिंहनगर अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। मामले ने तब नया मोड़ ले लिया जब अस्पताल के डॉक्टरों ने घायल छात्र की एमएलसी करने से इनकार कर दिया। डॉक्टरों ने कथित तौर पर कहा कि अगर दबाव बनाया गया तो वे इस्तीफा दे देंगे। इस पर पुलिस और अस्पताल प्रशासन आमने-सामने आ गए और अस्पताल परिसर में तनाव की स्थिति बन गई। फिलहाल पुलिस ने आरोपी छात्र की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना न सिर्फ छात्र सुरक्षा पर सवाल खड़ा करती है बल्कि चिकित्सा व्यवस्था की संवेदनहीनता को भी उजागर करती है।

इनका कहना है...

जयसिंहनगर में एक युवक पर चाकू से हमला किया गया, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

अभिषेक दीवान
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहडोल

नशीली सिरप की शीशियों के साथ युवक गिरफ्तार

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नशे के खिलाफ अभियान का असर अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। प्रदेशभर में पुलिस नशे के सौदागरों पर सघन कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में शहडोल जिले की धनपुरी पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार, धनपुरी थाना क्षेत्र में प्रयागराज (इलाहाबाद) से आई नशे की खेप के साथ आरोपी अमित पासी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी स्थानीय स्तर पर नशीली कोरेक्स सिरप बेचने की फिराक में था। तलाशी के दौरान उसके पास से 80 से अधिक नशीली सिरप की शीशियाँ बरामद हुईं। मौके पर ही माल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। धनपुरी पुलिस की यह कार्रवाई न केवल नशे के खिलाफ चल रही मुहिम को ताकत दे रही है, बल्कि आम लोगों में विश्वास और नशे के सौदागरों में डर भी पैदा कर रही है। पुलिस अब इस गिरोह के सप्लाई नेटवर्क की जांच में जुट गई है और अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशों के तहत जिले में नशे के कारोबार पर पूरी नकेल कसी जा रही है।

प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी व्यक्ति या गिरोह बख्शा नहीं जाएगा। शहडोल में लगातार बढ़ती कार्रवाइयों से यह संदेश गया है कि नशे के व्यापार को खत्म करने के लिए प्रशासन पूरी दृढ़ता के साथ जुटा हुआ है।

राजनीति विज्ञान विभाग में पोस्टर प्रतियोगिता हुई आयोजित

शहडोल। पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में कुलगुरु प्रो. रामशंकर के मार्गदर्शन में गांधी जयंती पर महात्मा गांधी के रामराज्य के विचार विषय पर निबंध प्रतियोगिता तथा स्वच्छता के महत्व पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. गीता सराफ के निर्देशन में विजिटिंग फैकल्टी डॉ. संजली गुप्ता, संजय दास पनिका, प्रिंसी सिन्हा और दीप्ति पांडे ने किया। निबंध प्रतियोगिता में मोनिका सिंह, अतुल केवट, अशोक कुमार, आंचल सिंह, कामिनी यादव, स्नेहा उपाध्याय, राधा मिश्रा, खुशीराम पटेल व अनुज जायसवाल ने भाग लिया, जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में साक्षी नापित, तनु शुक्ला, अर्चना सिंह और राखी नापित ने सृजनात्मकता दिखाई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् धनपुरी जिला- शहडोल म.प्र.
(कार्यालय दूरभाष नं. एवं फैक्स नं.-07682-250318, E-mail ID- cmodhanpuri@mpurban.gov.in)

क्रमांक/न.पा./लो.नि./2025-26/1300 — **निविदा सूचना** — धनपुरी,दिनांक :- 10-10-2025

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली एवं जेम पोर्टल पर पंजीकृत संविदाकारों से ऑनलाईन जेम पोर्टल के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट GEM Portal पर निम्नानुसार बिड नं. पर देखा जा सकता है।

क्र.	जेम बिड क्रमांक एवं दिनाँक	कार्य का नाम	लागत	कार्य की समयावधि	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	BID NO: GEM/2025/B/6702704 Dt-06-10-2025	Providing and fixing of advance fire safety system at ward no.2 water park, shopping complex and club house.	99.75 लाख (18 प्रतिशत जी.एस.टी. सहित)	कार्यादेश से 60 दिवस	05.11.2025 को 2:30PM
2	BID NO: GEM/2025/B/6698713 Dt-19-09-2025	Providing and fixing of MS structural Vehicle Parking shed at ward no.2	18.72 लाख (18 प्रतिशत जी.एस.टी. सहित)	कार्यादेश से 30 दिवस	25.10.2025 को 2:00PM
3	BID NO: GEM/2025/B/6759291 Dt-06-10-2025	Supply of office uniform for nagar palika dhanpuri	8.72 लाख (18 प्रतिशत जी.एस.टी. सहित)	कार्यादेश से 30 दिवस	21.10.2025 को 4:00PM

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन GEM Portal की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् धनपुरी
जिला शहडोल म.प्र.

कार्यालय नगरपालिका परिषद शहडोल, जिला शहडोल (म.प्र.)
Office of the Municipal Council Shahdol, Distt. Shahdol (M.P.)
D.D. Complex, Near Tagore Park Shahdol, Distt. Shahdol-484001
Email cmoshahdol, mpurban.gov.in, Ph. No. 07652-245175 (0) 241015(F)

क्रमांक/न.पा./सा.प्र./2025/8379 — शहडोल, दिनांक 09/10/2025

दिव्यांगजन भर्ती प्रारंभिक सूची का प्रकाशन

माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में नगरपालिका परिषद शहडोल जिला दिव्यांगजन हेतु आरक्षित 15 पदों हेतु विज्ञापन के प्रकाशन के अनुक्रम में अलग अलग पदों हेतु अंतिम तिथि 27.06.2024 तक कुल 304 आवेदन प्राप्त हुए जिसमे से 48 आवेदन अपूर्ण है आवेदक के द्वारा पदो का विवरण नही दिया गया है प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र / अपात्र अभ्यार्थियों की वर्गवार संलग्न है सूची अनुसार विवरण निम्नानुसार है।

क्रमांक	पद का नाम	पद संख्या	कुल प्राप्त आवेदन
1	सहायक राजस्व निरीक्षक (नियमित)	01	103
2	सहायक ग्रेड-3 (नियमित)	01	18
3	डॉयवर भारी वाहन (नियमित)	01	07
4	फायर मैन (नियमित)	01	05
5	सफाई संरक्षक (नियमित)	03	82
6	सफाई संरक्षक (संविदा)	07	21
7	भृत्य (संविदा)	01	20
8	अपूर्ण आवेदन		48
	कुल प्राप्त आवेदन		304

जिस किसी भी अभ्यार्थियों को उक्त सूची पर दावा / आपत्ति होतो वे कार्यालयीन समय मे दिनांक 24/10/2025 सायं 05:00 बजे तक डाक के माध्यम से अथवा स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि उपरांत कोई दावा / आपत्ति मान्य नहीं होगी। प्रारंभिक प्रकाशित सूची विभागीय बेवसाईट www.mpurban.gov.in एवं निकाय के सूचना पटल पर चस्पा सूची द्वारा देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद शहडोल
जिला शहडोल (म.प्र.)

खबर संक्षेप

नवागत अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने किया पदभार ग्रहण

उमरिया। नवागत अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने कलेक्ट्रेट उमरिया में अपर कलेक्टर के पद का पदभार ग्रहण कर लिया है। विदित हो कि नवागत अपर कलेक्टर इसके पूर्व सिंगरौली जिले में अपर कलेक्टर के पद पर पदस्थ थे। उन्होने कहा कि राजस्व प्रकरणों का निपटारा प्राथमिकता के साथ किया जाएगा।

स्पर्श मेले का आयोजन 14 से 16 अक्टूबर तक

उमरिया। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग ने बताया कि दिव्यांगजनों को आत्म निर्भर बनाने एवं उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो, इसके लिए आवश्यक है कि उनके स्वयं व्दारा निर्मित उत्पादों का व्यापक स्तर पर विक्रय हो। इसके लिए दीपावली पखवाड़े के समय 14 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक स्पर्श मेले का आयोजन किया जाना है। निकायो में संबंधित विभागों के स्थानीय प्रशासन एवं संस्थाओं के सहयोग से स्पर्श मेला आयोजित किया जाएगा,ताकि दिव्यांग जन अपनी उत्पादित वस्तुओं का प्रदर्शन एवं विक्रय कर सकें।

आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ करेंगे प्रधानमंत्री

उमरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री धन धान्य योजना 2025 भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पहल है।यह योजना किसानों की आय बढ़ाने, उत्पादकता में सुधार करने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने और किसानों को अधिक ऋण उपलब्ध कराने पर केंद्रित है यह योजना केवल फसल कृषि पर ही नहीं, बल्कि फल, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन और कृषि वानिकी पर भी केंद्रित होगी।जिले में समिति गठित की जाएगी जो जिला कृषि और संबद्ध गतिविधि योजना को अंतिम रूप देगी, जिसमें प्रगतिशील किसान भी सदस्य होंगे। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना एवं दलहन मिशन का जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि उपज मण्डी में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देखा एवं सुना जा सकेगा।

एसईसीएल अस्पताल की लापरवाही ने मानवता को दी गहरी चोट

एंबुलेंस में डीजल खत्म, सडक़ किनारे तड़पता रहा मरीज

ठेकेदार पर उठे गंभीर सवाल

शहडोल। स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का ऐसा भयावह उदाहरण शायद ही कभी देखने को मिला हो, जहां एक मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही सिस्टम की सुस्ती का शिकार बन गया। सोहागपुर के एसईसीएल सेंट्रल हॉस्पिटल से इलाज के लिए जिला अस्पताल जा रही एंबुलेंस बीच रास्ते में डीजल खत्म होने से घंटों तक सडक़ किनारे खड़ी रही। इस दौरान मरीज की हालत बिगड़ती चली गई और परिजन मदद के लिए दर-दर भटकते रहे। यह घटना केवल एक वाहन के रुकने की नहीं, बल्कि उस सरकारी और ठेकेदार तंत्र की बेरुखी की जीती-जागती तस्वीर है, जिसने जीवनरक्षक एंबुलेंस को जीवन लेने वाली बना दिया।

सर डीजल खत्म हो गया

एसईसीएल सेंट्रल हॉस्पिटल की एंबुलेंस सेवा दित्या इंटरप्राइजेज नामक निजी कंपनी को ठेके पर दी गई है। आरोप है कि कंपनी के ठेकेदार द्वारा एंबुलेंस में पर्याप्त डीजल नहीं डलवाया गया, जिसके चलते मरीज को लेकर जा रही गाड़ी शहडोल मार्ग पर अचानक बीच रास्ते में बंद हो गई। मरीज की हालत पहले से नाजुक थी, लेकिन एंबुलेंस रुकने के बाद उसकी तकलीफ और बढ़ गई। परिजन बार-बार चालक से सवाल करते रहे, लेकिन जवाब में केवल लाचारी ही सुनाई दी, सर, डीजल खत्म हो गया है।

ग्रामीणों ने दिया डीजल

करीब एक घंटे तक मरीज और परिजन तपती धूप में सडक़ किनारे बैठे रहे। एंबुलेंस चालक मदद के लिए फोन घुमाता रहा, लेकिन न अस्पताल प्रशासन से मदद मिली, न ही ठेकेदार की ओर से कोई त्वरित कार्रवाई की गई। मजबूर होकर परिजनों ने राहगीरों और स्थानीय लोगों से गुहार लगाई। अंततः कुछ ग्रामीणों और कर्मचारियों की मदद से किसी तरह एंबुलेंस में थोड़ी मात्रा में डीजल डाला गया, तब जाकर मरीज को आगे रवाना किया जा सका।

मौत होती तो कौन होता जिम्मेदार

घटना के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। उनका कहना है कि यह महज तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि इंसानियत पर कलंक है। एंबुलेंस जैसी सेवा, जो आपातकालीन जीवनरक्षक व्यवस्था कही जाती है, अगर डीजल की कमी से ठप हो जाए तो इससे बड़ी शर्म की बात और क्या हो सकती है? ग्रामीणों ने कहा कि यदि उस दौरान मरीज की जान चली जाती, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होती, अस्पताल प्रशासन की, ठेकेदार की, या उस लापरवाह सिस्टम की जिसने कागजों में स्वास्थ्य सेवा चलाने का दावा कर रखा है?

दित्या इंटरप्राइजेज पर उठे गंभीर सवाल

यह घटना केवल एक एंबुलेंस की नहीं, बल्कि पूरे प्रबंधन की पोल खोल रही है। कर्मचारियों का कहना है कि कई बार पहले भी एंबुलेंस में डीजल कम डलवाने की शिकायतें हुई हैं। ठेकेदार कथित रूप से खर्च बचाने के लिए सीमित डीजल ही उपलब्ध कराता है, जिससे एंबुलेंस चालक कई बार बीच रास्ते में फंस जाते हैं। अस्पताल प्रबंधन भी इस पर आंख मूंदे बैठा है। इस बार मामला तब उजागर हुआ जब एक मरीज की जान पर बन आई। सूत्रों के अनुसार, एंबुलेंस सेवा के संचालन में लंबे समय से अनियमितताएं चल रही हैं। चालक और कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलता, वाहन का मेंटेनेंस अधूरा रहता है और कई बार एंबुलेंस बिना प्राथमिक उपकरणों के मरीजों को ढोने पर मजबूर हैं। सवाल यह उठता है कि ऐसे लापरवाह ठेकेदार को जीवनरक्षक सेवा का जिम्मा आखिर क्यों सौंपा गया?

प्रशासनिक कार्रवाई की मांग

घटना के बाद जिले भर में चर्चा तेज हो गई है। लोगों का कहना है कि यह मामला सिर्फ जांच का नहीं, बल्कि तत्काल कार्रवाई का है। जिला प्रशासन को चाहिए कि इस तरह की आपराधिक लापरवाही पर ठेकेदार और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। परिजन और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो ताकि भविष्य में किसी की जान इस तरह डीजल की कमी से न जाए।

डीजल खत्म, इंसानियत खत्म

सोशल मीडिया पर भी यह घटना तेजी से वायरल हो रही है। लोग इसे डीजल नहीं, सिस्टम की निष्ठुरता खत्म का मामला बता रहे हैं। कई नागरिकों ने लिखा कि यह घटना प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की असली तस्वीर है, जहां मरीजों की जान से ज्यादा ठेकेदारों के खर्च की चिंता की जाती है। इस पूरी घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि जब तक प्रशासन, अस्पताल प्रबंधन और ठेकेदारों की मिलीभगत पर कड़ी निगरानी नहीं रखी जाएगी, तब तक इस तरह की घटनाएं आम बनी रहेंगी।

छिंदवाड़ा की दर्दनाक घटना पर में कांग्रेस का उबाल

कैंडल मार्च निकालकर जताया आक्रोश, स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग

उमरिया। छिंदवाड़ा में जहरीली सिरप पीने से 24 मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। इस हृदयविदारक घटना के विरोध में शुक्रवार की शाम जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया ने कैंडल मार्च निकालकर मृतक बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कांग्रेस अध्यक्ष इंजीनियर विजय कोल के नेतृत्व में यह कैंडल मार्च जय स्तंभ चौक से गांधी चौक तक निकाला गया, जिसमें सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के सदस्य शामिल हुए।कार्यक्रम में विशेष रूप से पूर्व विधायक अजय सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि मासूम बच्चों की मौत किसी प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं, बल्कि सरकार की घोर लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन और विशेष रूप से स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला को जिम्मेदार ठहराते हुए तत्काल इस्तीफे की मांग की। कांग्रेसजनों ने इस दौरान मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की और मोमबत्तियाँ जलाकर श्रद्धांजलि दी।इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय कोल ने कहा कि यह घटना प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र की पोल खोलती है। जब अस्पतालों में जांच और दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का जिम्मा सरकार का है, तो ऐसे हादसे अक्षम्य हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर दोषी अधिकारियों और संबंधित दवा कंपनी पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस सडक़ों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी। कैंडल मार्च में शामिल कांग्रेसजनों ने एक स्वर में कहा कि मासूमों की जान लेने वाली इस लापरवाही को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि मृतकों के परिवारों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए और दोषी कंपनी का लाइसेंस तत्काल रद्द किया जाए।मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए जिनमें राजेश शर्मा, पुष्पराज सिंह, उदय प्रताप सिंह, मिथलेश राय, वीरेंद्र सिंह सेंगर, ध्रुव सिंह, अमृत लाल यादव, मनोज तिवारी, गौरीशंकर प्रजापति, कृष्णपाल राठौर, सतवंत सिंह, रेखा सिंह, उत्तरा लोधी, मो. नासिर अंसारी, मंगल सिंह, शिवजी शर्मा, शुभ तिवारी, अवधेश राय, अनुराग सिंह, श्रेयांश तिवारी, पवन यादव, प्रफुल सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला कांग्रेस ने कहा कि यह केवल श्रद्धांजलि कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनहीनता के खिलाफ एक चेतावनी है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि जब तक बच्चों के परिवारों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा।

सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र के लिए रखा करवा चौथ का निर्जला व्रत

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सुहागिन महिलाओं ने शुक्रवार को करवा चौथ पर पति की लंबी उम्र के लिए दिनभर निर्जला व्रत रखा। शाम को चांद दिखने पर करवा चौथ व्रत की पूजा की। छलनी से पति को देखने के बाद पति के हाथों से पानी पीकर व्रत तोडा। महिलाओं ने सज धज कर इस त्योहार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। कई जगहों पर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया, वहीं कई जगह सामूहिक रूप से करवा चौथ सेलिब्रेट किया गया। पति की लंबी उम्र के लिए सुहागिन महिलाओं ने पूरे दिन निर्जला व्रत रखा। शाम को सज संवर कर सोलह श्रृंगार करने के बाद महिलाओं ने सबसे पहले गणेश जी की पूजा की। उनके बाद चौथ माता की पूजा की। हालांकि शुक्रवार को चांद देखने के लिए महिलाओं को इंतजार करना पड़ा क्योंकि दिन भर से लेकर शाम तक बादलों का डेरा रहा। पर्व को लेकर महिलाओं में उत्साह देखा गया। हाथों में मेहंदी लगाकर और सोलह श्रृंगार करते हुए नए परिधानों में शाम होते ही छत पर जा पहुंची। चांद के दर्शन कर के महिलाओं ने अर्घ्य दिया एवं छलनी से जलते हुए दिए के बीच उसका दीदार किया फिर पति के हाथ से पानी पीकर व्रत खोला।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स में अन्तरक्षेत्रीय खान बचाव प्रतियोगिता-2025 का आयोजन

हरिभूमि न्यूजबदरा/जमुना। महाप्रबंधक प्रभाकर राम त्रिपाठी जमुना कोतमा क्षेत्र ने बताया कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड और खान सुरक्षा महानिदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में अन्तक्षेत्रीय खान बचाव प्रतियोगिता-2025 का आयोजन बदरा 7/8 खदान में 10 अक्टूबर शुक्रवार से होने जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य खदानों में सुरक्षा और बचाव तकनीकों को प्रोत्साहित करना और भाग लेने वाली टीमों की कुशलता को निखारना है। इस भव्य आयोजन में विपुल बिहारी सटियार, निदेशक खान सुरक्षा, रायगढ़ क्षेत्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकाश राय, महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव), बिलासपुर; मनोज बिश्नोई, महाप्रबंधक (बचाव) एवं प्रभाकर राम त्रिपाठी, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, जमुना कोतमा क्षेत्र करेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से प्रातः 8.05 बजे होगी। इसके बाद मार्चपास्ट एवं ड्रिल 8.40

बजे आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता का औपचारिक प्रारंभ प्रातः 9.30 बजे होगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की टीमों ने अपनी बचाव क्षमता का प्रदर्शन करना है। समापन समारोह 11 अक्टूबर, शनिवार को द्रोणाचार्य स्टेडियम, गोविंदा में होगा। समारोह के मुख्य अतिथि रामावतार मीना, उप महानिदेशक खान सुरक्षा, पश्चिमांचल, नागपुर होंगे, जबकि नीरज कुमार, उप महानिदेशक खान सुरक्षा, उत्तरांचल, गाजियाबाद विशिष्ट अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरीश दुहन, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, करेंगे। मुख्य अतिथि का आगमन अपरान्ह 2 बजे होगा 2.30 बजे वे प्रतियोगिता का अवलोकन करेंगे इसके बाद अतिथियों का स्वागत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और उद्बोधन होगा अंत में प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को अपरान्ह 5 बजे पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया जाएगा।

शोभायात्रा के साथ हुआ बर्सी मेले का आगाज, जयघोष से गूंजा माधवनगर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

माधवनगर में बर्सी मेले का 9 अक्टूबर को आगाज हुआ। सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब ने माधवनगर दीप प्रज्वलित कर हरे माधव वर्सी पर्व का शुभारंभ किया। आरती, पुष्पवर्षा और भजन की मधुर गूंज के बीच जैसे ही दीपक की ज्योति प्रज्वलित हुई, पूरा वातावरण आध्यात्मिक आलोक में नहा उठा।

भव्य शोभायात्रा सतगुरु के पावन रथ के साथ हरे माधव दरबार से प्रारंभ हुई, जो मुख्य मार्गों से होती हुई हरे माधव सत्संग स्थल तक पहुंची। मार्ग में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर सतगुरु जी का स्वागत किया। जहाँ तक दृष्टि जाती, श्रद्धा और प्रेम का समुद्र उमड़ पड़ा था। भक्तों के कंठ से निकले "हरे माधवङ्क हरे माधवङ्क" के जयघोष वातावरण में गूंज रहे थे। सुसज्जित रथ में विराजमान सतगुरु सांई ईश्वरशाह साहिब जी ने सभी पर मेहर दृष्टि बरसाई। भक्ति भाव में डूबे सेवक नृत्य, डांडिया और "ईश्वरनादम्पथक" की संगीतमय ध्वनियों पर झूमते रहे। देश-विदेश से पहुँचे हज़ारों श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य के दर्शन कर आत्मिक शांति का अनुभव किया। हरे माधव सत्संग स्थल पर पहुँचने के पश्चात सतगुरु जी को विशाल पंडाल में विराजमान कर भजन, कीर्तन और सत्संग की अमृतवर्षा आरंभ हुई। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर प्रेम और समर्पण में डूब गए। इस अवसर पर जीवनमुक्त सतगुरु साहिबानों की रुहानी लीलाओं की वीडियो प्रस्तुति ने सबका हृदय भक्ति से भर दिया। इस दो दिवसीय वर्सी पर्व के दौरान बाबा माधवशाह चिकित्सालय में विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया है, जहाँ सेवा ही साधना बन गई।10 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से सत्संग, भजन-कीर्तन और सतगुरु साई ईश्वरशाह साहिब जी की पावन अमृतवर्षा का आयोजन किया गया है, जिसके उपरांत विशाल लंगर से प्रेमरस की धारा बहाई जाएगी। वर्सी पर्व केवल स्मरण नहीं, बल्कि रुहानी जागरण का उत्सव है — जहाँ जीवनमुक्त सतगुरु साहिबानों की मेहर से जीव आत्मा अपने मूल स्वरूप की ओर अग्रसर होती है।

अस्थाई आतिशबाजी पटाखा विक्रय के संबंध में बैठक संपन्न

चिन्हित स्थानों पर ही अस्थाई आतिशबाजी विक्रय की दुकान लगाने के दिए गए निर्देश

उमरिया। दीपावली त्यौहार में अस्थाई आतिशबाजी पटाखा विक्रय के संबंध में कलेक्टर सभागार में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई । बैठक में बताया गया कि जिला मुख्यालय उमरिया में कृष्ण ताल उमरिया, तहसील करकेली में शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल के सामने मैदान, ग्राम घुलघुली में मुख्य बाजार, रहठा में कठौतिया मार्ग,नगर परिषद चंदिया में चंदिया स्टेडियम,ग्राम कौडिय़ा, तहसील बिलासपुर में मुख्य मार्ग तालाब का मेढ़, ग्राम अखडार में ओबरा विद्यालय, ग्राम निगहरी , पाली तहसील में सगरा तालाब, ग्राम पंचायत मलियागुड़ा,ग्राम चौरी के हाट बाजार, तहसील नौरोजाबाद अंतर्गत एसईसीएल कालरी मैदान, ग्राम कुर्रिहा , मानपुर में खेल मैदान तथा ग्रामीण क्षेत्र चिल्हारी ,ग्राम इंदवार में लगने वाली दुकानों के लिए स्थल चिन्हित किया गया है।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि प्रस्तावित स्थलों पर स्थापित पटाखा दुकानों में सुरक्षा की दृष्टि से अस्थाई पटाखा दुकानें सुरक्षित एवं अज्वलनशील सामग्री से बने शेड में लगायी जाये।दुकानें एक दूसरे के आमने-सामने नहीं होगी एवं दुकाने एक दूसरे से 5 मीटर की दूरी पर रखी जायें। सुरक्षा दूरी के अन्दर दुकानों में प्रकाश हेतु किसी प्रकार का तेल लैम्प एवं खुली बिजली की बतियों का प्रयोग नहीं किया जावेगा। यदि किसी बिजली लाईन का प्रयोग किया जाता है, तो उसे दीवार पर या छत पर पर दृढ़ता से लगाया जावेगा, बत्तियों के स्विच दीवार पर लगानी होगी एक पंक्ति की सभी दुकानों हेतु मास्टर स्विच लगाया जावे । प्रत्येक मास्टर स्विच से फ्यूज या सर्किट ब्रेकर लगा हो. जिससे शॉट सर्किट होने पर विद्युत प्रवाह स्वतः बंद हो जाए। स्थल पर पर्याप्त मात्रा में रेत/बालू/पानी रखा जावेगा तथा स्थलों पर पर्याप्त संख्या में फायर ब्रिगेड चालू हालत में मय चालक तैनात रखा जावे। किसी भी दुकान/अनुज्ञप्ति परिसर में 50 मीटर की परिधि के अंतर्गत आतिशबाजी का प्रदर्शन नहीं किया जावेगा। फेंक कर चलाए जाने वाले फटाको के विक्रय पर नियंत्रण रखा जाये, इस प्रकार के पटाखा दुकानों पर नहीं रखे जाएं। राकेट इत्यादि ऊपर जाने वाले पटाके बिजली के तारों के नीचे नहीं चलाने हेतु जन सामान्य से अपील की जावे। संबंधित दण्डाधिकारी, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका अधिकारी व जनपद पंचायत अधिकारी नियमित उक्त स्थलों का निरीक्षण कर समस्त सुरक्षा मानदण्डों का पालन कराया जाना सुनिश्चित करें।

पटाखा दुकानों के स्थलों पर वे उनके आसपास विद्युत व्यवस्था की पूर्णतः जांच कराकर यह सुनिश्चित किया जाये कि कोई भी दुर्घटना किसी भी शार्ट

सर्किट आदि से न हो। जिले के समस्त चिकित्सालयों में आपात व्यवस्थायें सदैव तैयार रखी जाये। उन्होने कहा कि जिस व्यक्ति के नाम से पटाखा विक्रय हेतु लाइसेंस जारी किया जाता है, केवल वही व्यक्ति ही पटाखा विक्रय कर सकेगा।इसके साथ ही लाइसेंस को दुकान पर सामने चस्पा किया जाए। ऑनलाइन आवेदन 14 अक्टूबर तक सायं 6 बजे तक किया जा सकता है , उसके पश्चात किए गए आवेदन पर कोई विचार नही किया जाएगा । आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को लाइसेंस जारी नही किया जाए । उन्होने कहा कि स्थाई लाइसेंस धारियों की सतत जांच करें और सुनिश्चित करें कि भंडारण घरों पर नही किया गया हो।चाइनीज पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उसकी बिक्री नही हो, इस पर भी रोक लगाई जाए।

पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी ने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान जिले में लगने वाली अस्थाई पटाखों की दुकानों के लिए खुले स्थल का चयन किया जाए । पटाखा दुकानों के आस पास घनी बस्ती,पेट्रोल पंप नही हो इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होने कहा कि पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त दुकानें से ही हो तथा बिना लाइसेंस के यदि पटाखा बिक्री होता पाया जाता है तो उस पर वैधानिक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेनगुप्ता,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम मानपुर टी आर नाग,एसडीएम बांधवगढ़ हरनीत कौर कलसी, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीओपी पुलिस नागेन्द्र प्रताप सिंह सहित तहसीलदार उपस्थित रहे ।

खबर संक्षेप

मानव श्रृंखला बनाकर पोषण के प्रति किया जागरूक

उमरियापान। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत धरवारा सेक्टर के इटवां में सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर महिलाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर पोषण के प्रति जागरूक किया। इस ।मौके पर पोषण को लेकर शपथ दिलाई। इस दौरान सरपंच रामसखी आदिवासी, सेक्टर सुपरवाइजर मंजू मिश्रा, कार्यकर्ता इंदिरा गर्ग, किरण मिश्रा, सत्यवती उपाध्याय,गुलाब उपाध्याय, सजनी कोल, उर्मिला सिंह, साधना तिवारी, कृष्णा पांडे, शशि पांडेय, राजा बाई सहित अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

ई.व्ही.एम. एवं व्हीव्हीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण 17 को

कटनी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर ई.व्ही.एम. एवं व्हीव्हीपैट के जिला स्तरीय वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण 17 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों की मौजूदगी में किया जायेगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलांबर मिश्रा ने भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष दीपक टंडन सोनी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह (ग्रामीण) एवं अमित शुक्ला (शहर), बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष डी.सी. राम एवं आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अनिल सिंह सेंगर से निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

सड़क किनारे बाजार लगने से बढ़ी समस्या

विजयराघवगढ़। ग्राम सिनगौड़ी में साप्ताहिक बाजार का अस्तित्व सड़क के किनारे तक उतर आया है। मुख्य मार्ग से सट कर बाजार लगती है जिससे लोगों को कई बार परेशानियों का सामना भी करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने जानकारी देते हुए बताया कि सड़क के किनारे बाजार लगने से आवागमन भी बाधित हो जाता है और समस्याओं से दो चार होना पड़ता है। लोगों ने बताया कि सड़क पर बाजार लगने के कारण यहां कई बार सड़क हादसों में लोगों की जानें भी गई हैं। इन सबके बावजूद बाजार को कहीं अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने के ठोस प्रयास जिम्मेदारों द्वारा नहीं किए जा रहे। गोठान की भूमि पर जहां विस्तृत मैदान था वहां भी लोगों ने अतिक्रमण कर किया है। जबकि भूमि को अगर अतिक्रमण मुक्त कराया जाए तो वहां बाजार लग सकता है और लोगों को किसी प्रकार की परेशानी भी नहीं होगी।

महिलाओं को दी गई आवश्यक जानकारियां

विजयराघवगढ़। बैंक ऑफ इंडिया के तत्वावधान में ग्राम सिनगौड़ी में सुरक्षा, सतर्कता

अभियान चलाया गया। पंचायत भवन के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बैंक के अधिकारियों ने महिलाओं को जागरूक किया और उन्हें स्वरोजगार के प्रति प्रेरित भी किया। अधिकारियों द्वारा बैंक से कौन कौन से लोन प्राप्त किए जा सकते हैं। लोन लेने की प्रक्रिया क्या है, बैंक किस तरह ग्राहकों के लिए सहायक साबित होते हैं इन विषयों की विस्तृत जानकारियां दी गईं। फ्रॉड कॉल, साइबर फ्रॉड आदि के बारे में भी महिलाओं को बताया गया और उन्हें सचेत किया गया। फ्रॉड से बचने के लिए कौन कौन सी सावधानियां बरतनी चाहिए इसके बारे में भी महिलाओं को जानकारी दी गई। अधिकारियों ने महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित भी किया। इस अवसर पर सरपंच मंटू निगम, एजीएम प्रमोद पांडेय, चीफ मैनेजर धीरज महराज, शाखा प्रबंधक राहुल गुप्ता, सहायक शाखा प्रबंधक सुहेल खान, प्राणेंद्र गुप्ता, सेक्टर अधिकारी बानकर सहित बड़ी संख्या में समूह की महिलाएं उपस्थित थीं।

धनपुरी कोयलांचल : करोड़ों का बजट, रॉयल्टी की आमद फिर भी पार्किंग व्यवस्था नहीं

व्यापार ठप, व्यापारी परेशान, कब मिलेगी सुविधा?

कभी चारों ओर फैली कोयला खदानों की रौनक से पहचान बनाने वाला धनपुरी कोयलांचल आज बदलते दौर में अपनी चमक खोता जा रहा है। नगर जो कभी "काला हीरा" यानी कोयले की नगरी के नाम से जाना जाता था, वहां अब न तो पहले जैसी चहल-पहल है और न ही उतना रोज़गार।

धनपुरी।

करीब 100 वर्षों से यहां कोयला खदानें संचालित होती रहीं। कई खदानें अब बंद हो चुकी हैं, जबकि कुछ में अभी भी सीमित मात्रा में उत्पादन जारी है। खदानों में काम करने वाले अधिकांश कर्मचारी बीते दो दशकों में सेवानिवृत्त हो गए। कभी जहां हजारों कादरी कर्मचारियों की आवाजाही से नगर गूंजता था, वहीं अब कर्मचारियों की संख्या घटकर सिर्फ तीन हजार के आसपास रह गई है।पहले धनपुरी की मार्केट में कालरी कर्मचारियों की वजह से

रौनक रहती थी। वेतन दिवस पर दुकानों में भीड़ लगती थी, व्यापार में तेजी रहती थी, लेकिन अब हालात विपरीत हैं। रोज़गार और कर्मचारियों में कमी के साथ बाजार की रफ्तार भी धीमी पड़ गई है।रॉयल्टी और करोड़ों का बजट, फिर भी सुविधाओं का

अभावधनपुरी नगर पालिका को कोयला खदानों से लाखों रुपये की रॉयल्टी प्राप्त होती है। इतना ही नहीं, हर वर्ष करोड़ों का बजट पेश करने वाली नगर पालिका आज तक नगर में पार्किंग व्यवस्था नहीं बना पाई, जिससे व्यापारी और नागरिक दोनों ही परेशान हैं।बाज़ार क्षेत्र में पार्किंग की जगह न होने से आए दिन वाहन जाम की स्थिति बन जाती है। व्यापारी संगठन का कहना है कि यदि नगर पालिका प्रशासन ठोस कदम उठाए तो व्यापार में भी तेजी आ सकती है।धनपुरी व्यापारी संघ के पदाधिकारियों का कहना है, "नगर में पार्किंग स्थल का निर्माण बेहद जरूरी है। अगर लोगों को वाहन खड़ा करने की सुविधा मिलेगी, तो बाजार की रौनक लौट आएगी और बिक्री भी बढ़ेगी।"क्रेडिट सोसायटी परिसर पर सुझावस्थानीय नागरिकों का सुझाव है कि नगर की क्रेडिट सोसायटी के संचालक मंडल के सहयोग से पुराने सोसायटी परिसर को नए सिरे से विकसित कर पार्किंग जोन के रूप में उपयोग किया जा सकता है। यह स्थान नगर के मध्य में स्थित होने से सभी के लिए उपयोगी साबित हो सकता है।वर्षों से उठ रही मांग, अब तक पहल नहींपार्किंग स्थल निर्माण की मांग कई वर्षों से उठती रही है, लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया गया। वार्ड क्रमांक 20 के पार्षद और नगर पालिका प्रशासन अगर संयुक्त रूप से पहल करें तो यह वर्षों पुरानी मांग पूरी हो सकती है।स्थानीय व्यापारी और नागरिकों को उम्मीद है कि धनपुरी नगर पालिका अब कोयलांचल की पुरानी रौनक लौटाने की दिशा में आगे बढ़ेगी, ताकि नगर फिर से "काला हीरा" की तरह चमक सके।

सप्तशक्ति संगम की प्रांतीय कार्यशाला सम्पन्न

बिरसिहपुर पाली

विद्या भारती सरस्वती शिक्षा परिषद की योजनानुसार सप्तशक्ति संगम की प्रांतीय बैठक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सुश्री रेखा चूड़ासमा दीदी जी (अखिल भारती बालिका शिक्षा संयोजिका) का मार्गदर्शन कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण एवं भारत के विकास में नारी की भूमिका विषय पर प्राप्त हुआ बैठक में श्रीमान संतोष अवधिया जी (प्रांत प्रभारी सप्तशक्ति संगम), श्रीमान प्रभात सिंह जी, मनीषा ठाकुर दीदी जी, एवं प्रांत स्तर के कार्यकर्ता बन्धू भगिनी, विभाग स्तर , जिला स्तर, विद्यालय स्तर के वक्ता संयोजिका सब संयोजिका , प्राचार्य प्रधानाचार्य बन्धुओं सहित लगभग 480 लोगों की गरिमामयी उपस्थिति रही बैठक में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम को किस पद्धति से मनाया जाय कि अधिक से अधिक मातृ-शक्तियों की उपस्थिति रहे इन सभी बिंदुओं पर पाथेय प्राप्त हुआ ।

स्कूल का 11:00 तक नहीं खुला ताला
आंगनबाड़ी भी समय पर नहीं खुलती

। ब्यौहारी।

ब्यौहारी विकासखंड के अंतर्गत कुछ ऐसी स्कूल हैं जो समय पर नहीं खुलती लेकिन इसको ध्यान देने वाला कोई नहीं जन शिक्षा केंद्र ब्यौहारी- के अंतर्गत ग्राम साखी मौहर टोला के प्राथमिक शाला मऊहार टोला में शुक्रवार दिनांक 10 अक्टूबर 2025 को 11:00 तक ताला नहीं खुला ग्रामीणों का कहना है कि इस स्कूल में टीचर कभी समय से नहीं आते जिससे बच्चों की पढ़ाई चौपट हो रही है। ईअटेंडेंस व्यवस्था का पालन नहीं। शिक्षकों की लापरवाही को देखते हुए सरकार द्वारा स्कूलों में ईअटेंडेंस की व्यवस्था लागू की गई है और कई स्कूलों में टीचर की अटेंडेंस लगाते भी हैं लेकिन जो लापरवाह टीचर है वह अभी तक की अटेंडेंस नहीं लग रहे ईअटेंडेंस नहीं लगाने वाले टीचरों को नियम के मुताबिक संबंधित संकुल द्वारा

वेतन काटने की कार्रवाई करना चाहिए लेकिन संकुल प्राचार्य द्वारा लेनदेन करके उनका वेतन नहीं काटा जाता संकुल के अंतर्गत कितने टीचर लापरवाह है इसकी जानकारी संकुल प्राचार्य को रहती है और वह समय-समय पर उनसे पैसे भी लेते रहते हैं इसलिए उनका वेतन नहीं कटती । नोडल अधिकारी की भी लापरवाही। अटेंडेंस लागू करने के लिए सरकार द्वारा नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं लेकिन नोडल अधिकारी स्कूलों में जाते ही नहीं ना ही निरीक्षण करते जिससे लापरवाह शिक्षकों में कोई भय नहीं उत्पन्न हो रहा। जन शिक्षकों की भी लापरवाही - प्रत्येक जन शिक्षा केंद्रों में जन शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है जन शिक्षकों का काम होता है की स्कूलों में जाएं और अनुवर्तन का काम करें यहां तक की यदि टीचरों को पढ़ाने में कोई दिक्कत आ रही है तो उनका पढ़ाना भी सिखाए बच्चों को एक क्लास भी पढ़ाया इसके लिए उनको अपने जन शिक्षा केंद्र में भ्रमण करने के लिए वेतन के अतिरिक्त 20000 पेट्रोल का साल मे दिया जाता है लेकिन जन शिक्षक बाजार में ही इधर-उधर घूमते रहते हैं और कभी-कभार अपने जन शिक्षा केंद्र से बाहर नहीं निकाल पाते ऐसे लापरवाह जन शिक्षकों के खिलाफ भी कार्रवाई जरूरी है। प्राथमिक पाठशाला महुआर टोला साखी के टीचर कभी भी समय से नहीं पहुंचते, इसी तरह से मौहर टोला की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उर्मिला कोल भी सारा दिन बाजार घूमती रहती है और अपना आंगनबाड़ी केंद्र नहीं खोलती उसकी सहायिका माला कोल भी कभी-कभार आंगनबाड़ी केंद्र खोल लेती है आंगनबाड़ी केंद्र न खुलने के कारण खंडहर बनता जा रहा है और वहां पर फ्री में बच्चों को मिलने वाला पोषक आहार भी नहीं मिल पाता है ग्रामीणों ने कलेक्टर से स्कूल टीचर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है ।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह एवं दागना कुप्रथा भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों से निपटने जागरूक किया

बुढार।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर प्रकाश डालते हुए बाल विवाह एवं दागना कुप्रथा भ्रूण हत्या जैसी समाज की कुरीतियों से निपटने किशोर बालिकाओं को किया जागरूक।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा के निर्देशन में महाविद्यालय केशवाही में बालिकाओं को साइबर सुरक्षा साइबर फ्रॉड ,पास्को एक्ट वन स्टाफ सेन्टर हेल्पलाइन नंबर के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही संतुलित आहार मे स्थानीय अनाज डालें सब्जी बड़ी फल मुनगा का महत्व के विषय में जानकारी दी गई

परियोजना अधिकारी राजकुमारी पाण्डेय द्वारा क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर प्रकाश डालते हुए बाल विवाह एवं दागना कुप्रथा भ्रूण हत्या जैसी समाज की

कुरीतियों पर विस्तृत जानकारी दी गई एवं बालिकाओं से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मेहंदी प्रतियोगिता भी कराई गई। महिलाओं को पोषण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा बालिकाओं को वितरित किया गया। मोटे अनाजों से बने व्यंजन एवं टेक होम राशन ,सेनेटरी नैपकिन की प्रदर्शनी का स्टॉल लगाया गया कार्यक्रम में विभाग की पर्यवेक्षक शबनम उस्मानी एवं रश्मि बैगा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का रंगोली बनाने में अपना सहयोग देते हुए अंकुरित अनाज से पौष्टिक नाश्ता तैयार कर फल स्वल्पाहार में छात्राओं और सभी उपस्थित जनों को वितरण किया।

सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी करने वालों पर चालानी कार्यवाही के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

दीपावली पर्व के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था को सुचारू रखने के मद्देनजर निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा दिए गए निर्देश के अनुपालन में शुक्रवार को उपायुक्त शैलेश गुप्ता द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था हेतु रोजाना की जाने वाली गतिविधियों की समीक्षा कर उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को इस दिशा में और अधिक प्रयास करने हेतु निर्देशित किया गया।

उपायुक्त ने पर्वो के दौरान शहर की दैनिक साफ- सफाई, कचरे का उठाव व उचित निपटान की व्यवस्था हेतु पूर्व से विस्तृत कार्य योजना के तहत सभी मुख्य मार्गो एवं बाजार क्षेत्रों सहित सार्वजनिक मार्गों, देवालयों ,बस

स्टैंड, आश्रय स्थल में पर्याप्त साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। उन्होंने शहर के मुख्य मार्गो के डिवाइडरों के दोनों ओर की विशेष सफाई व धुलाई कर उन्हे स्वच्छ रखने के निर्देश क्षेत्रीय स्वच्छता निरीक्षक को दिए।

नागरिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए संचारी बीमारियों की रोकथाम हेतु सभी सार्वजनिक स्थलों, एवं वार्डों की विभिन्न गलियों में पर्याप्त कीटनाशक का छिड़काव करने, आवारा मवेशियों के सार्वजनिक मार्गो में विचरण पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करनें के साथ ही सार्वजनिक स्थलों में गंदगी फैलानें वालों को चेतावनी देते हुए नहीं मानने पर चालानी कार्यवाही करने के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारी को दिए।

रूरल एग्रीकल्चरल वर्क एक्सपीरियंस कार्यक्रम के तहत कटनी में हुआ आगमन

कटनी में जबलपुर के 37 छात्र सीखेंगे खेती करने की तकनीक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कृषि विज्ञान केंद्र कटनी में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, कृषि हाविद्यालय जबलपुर के 37 छात्रों का 6 माह के लिए RAWE (रूरल एग्रीकल्चरल वर्क एक्सपीरियंस) कार्यक्रम के तहत कृषि विज्ञान केंद्र कटनी में आगमन हुआ। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ संजय वैशंपायन के मार्ग निर्देशन में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक राबे प्रभारी डॉ आर पी बेन एवं वैज्ञानिक डॉ ए के तोमर डॉ आर के मिश्रा,डॉ शशि गौर,डॉ अर्पिता श्रीवास्तव , डॉ के पी द्विवेदी,डॉ यति राज खरे,डॉ संदीप चंद्रवंशी एवं प्रियंका धुर्वे, द्वारा खेती करने की कृषि तकनीकी सिखाई जाएगी केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ संजय वैशंपायन ने बताया कि कृषि छात्र गांवों में जाकर किसानों को कृषि से जुड़ी समस्याओं को हल करने, नई तकनीकों को समझाने और विस्तार कार्यक्रमों में भाग लेने का वास्तविक अनुभव प्राप्त करते हैं. यह कार्यक्रम छात्रों को किसानों के साथ जुड़ने, खेती की बारीकियों को समझने और कृषि में अपना करियर बनाने

के लिए आत्मविश्वास विकसित करने में मदद करता है. हाल ही में, RAWE कार्यक्रम के तहत छात्र विभिन्न कृषि पद्धतियों जैसे बीज उपचार और मशरूम की खेती का प्रदर्शन कर सीखेंगे, साथ ही किसानों के साथ सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं का समाधान भी निकाल सकेंगे।

RAWE कार्यक्रम के उद्देश्य

ग्रामीण परिस्थितियों और किसानों की समस्याओं को समझना.किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों और विस्तार पद्धतियों से अवगत कराना.छात्रों में तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना.कृषि और ग्रामीण विकास के चल रहे कार्यक्रमों से जुड़ना, प्रगतिशील किसानों से बातचीत और उनके अनुभवों को सीखना।

कार्यक्रम के तहत गतिविधियाँ

क्षेत्र भ्रमण- छात्र गांवों में जाकर किसानों के साथ काम करते हैं, जिसमें खाद, पानी, जुताई, बुवाई और कीटनाशक का छिड़काव शामिल है.

प्रदर्शनः बीज उपचार, जैविक नियंत्रण एजेंटों का उपयोग, मशरूम की खेती जैसी नई तकनीकों का प्रदर्शन करना. सामाजिक-आर्थिक अवलोकनः ग्रामीण परिवारों के सामाजिक-आर्थिक और तकनीकी स्वरूप का गहन अध्ययन करना. प्रौद्योगिकी हस्तांतरणः विभिन्न कृषि आधारित उद्योगों से जुड़कर प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना और उन्हें किसानों तक पहुंचाना।

परियोजना रिपोर्ट

छात्रों को अपने अवलोकनों के आधार पर परियोजना रिपोर्ट तैयार करनी होती है, जिसे एक समिति द्वारा मूल्यांकित किया जाता है. RAWE का महत्व। यह कार्यक्रम कृषि स्नातकों को ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में भागीदारी के लिए तैयार करता है. छात्रों को वास्तविक जीवन की समस्याओं से निपटने और उनका समाधान करने का आत्मविश्वास मिलता है. यह छात्रों को कृषि क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है और उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है।

दो दुकानों से खोवा, पनीर और घी के लिए गए नमूने

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर त्यौहारी सीजन में विक्रय होने वाले खाद्य पदार्थ विशेष कर मिठाई खोवा दूध एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थों की जांच हेतु वार्ड क्रमांक 16 से 30 तक के प्रतिष्ठान की जांच हेतु राजस्व विभाग एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त जांच दल द्वारा बुधवार को सिल्वर टॉकीज खोवा मंडी स्थित खाद्य प्रतिष्ठान जैन खोवा भंडार एवं गुप्ता खोवा भंडार की जांच की गई। जांच दल में शामिल रहे नायब तहसीलदार अतुलेश सिंह बघेल और खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओपी साहू ने मौके पर जैन खोवा भंडार से खाद्य पदार्थ, खोवा, पनीर एवं घी के नमूने प्रयोगशाला में जांच हेतु संग्रहित कर भिजवाया है। मौके पर जांच दल द्वारा खाद्य पदार्थों को ढककर ना रखने और साफ-सफाई नहीं रखने

पर नाराजगी व्यक्त की गई। लाइसेंस की शर्तों का पालन न करने पर सुधार सूचना नोटिस जारी करने हेतु अनुशंसा की गई। इसी प्रकार सिल्वर टॉकीज रोड स्थित गुप्ता खोवा भंडार से मौके पर खोवा एवं पनीर के नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए हैं। खाद्य पदार्थ के संग्रहित नमूने जांच हेतु राज्य जांच खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जाएंगे। रिपोर्ट आने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशानुसार जांच दल द्वारा जांच कार्यवाही का सिलसिला सतत जारी रहेगा।

खबर संक्षेप

तुलसी महाविद्यालय के प्राचार्य की काली करतूत हुई उजागर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। दुनिया भर में भ्रष्टाचार की तरह-तरह से खबरें देखने को मिलती है लेकिन मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में अच्छी बुरी जो भी खबरे बनकर निकलती है किसी ऐतिहासिक से कम नही रहती। जिले के ताजे एक मामले में उच्च शिक्षा विभाग के प्रधानमंत्री एक्सीलेंस आफ कालेज तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर की आई है जिसमे प्राचार्य ने 1 वर्ष के अंदर जितना बड़ा भ्रष्टाचार का खेल खेल लिया उतना महाविद्यालय की नींव से लेकर आज तक के इतिहास में नही हुआ था। आपको बता दें कि प्राचार्य ने महाविद्यालय में लगे बगिया के क्यारियों की पुताई लाखों रुपए की लागत में कराई है जो हवा हवाई नही बल्कि महाविद्यालय के मद से प्राचार्य के द्वारा किये गए फर्जी बिल भुगतान गवाही दे रहे हैं। इसी तरह प्राचार्य द्वारा बाउंड्रीवाल, आंगन भवन सहित तमाम जगह से अलग अलग नियम विरुद्ध तरीके से फर्जी बिल बनाकर जिले में अब तक के इतिहास में बहुत बड़ी तो नही फिर भी लगभग आधे करोड़ रुपये की इबारत लिख दी है। प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कालेज तुलसी महाविद्यालय के प्राचार्य की काली करतूत तब उजागर हुई जब इनके द्वारा कराए गए कार्य के फर्जी बिल सोशल मीडिया के माध्यम से समुद्र में नाव की तरह उतराने लगी। जनचर्चा के मुताबिक प्राचार्य द्वारा जिस तरह से भ्रष्टाचार कर दिनेश आर्ट के नाम से फर्जी बिना, निविदा, टेंडर, के अपने पद का दुरुपयोग करते हुए चार लाइन का कार्यादेश जारी कर सरकारी राशि का दोहन किया गया है, उसे देखने के बाद ऐसा लग रहा मानो प्राचार्य ने महाविद्यालय भवन सहित चबूतरा बाउंड्रीवाल में सोने, चांदी की परत को बिल धारक दिनेश के साथ मिलकर चढ़ा दिया हो।

युवा सीख रहे मिट्टी से कलात्मक सामग्री बनाना

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा कौशल विकास कार्यक्रम अंतर्गत माटी कला उद्यमियों का जिले में 45 दिवसीय प्रशिक्षण स्थानीय शासकीय पॉलीटेक्टिक महाविद्यालय में संचालित किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में मिट्टी से विभिन्न कलात्मक सामग्री बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण का समापन 04 नवंबर को होगा। जिले में परंपरागत रूप से मिट्टी से विभिन्न प्रकार के बर्तन एवं कलात्मक सामग्री बनाये जाने वाले परिवारों एवं टेरोकोटा कला के प्रति रूचि रखने वाले युवक युवतियों की कला को निखारते हुये उनके कौशल में अभिवृद्धि के उद्देश्य से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, ताकि बनाये जाने वाले उत्पादों को बेहतर बाजार एवं दाम प्राप्त हो सके। मास्टर ट्रेनर नोनेलाल प्रजापति द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय युवक युवतियों को मिट्टी के विभिन्न प्रकार के दीपक, घरेलू साज सज्जा की सामग्री, टेराकोटा की मूर्तियां आदि बनाने की कला से परिचित कराया जा रहा है। साथ ही शिल्प कला तकनीक, डिजाइनिंग, रंगाई, फिनिशिंग आदि बारीकियों से भी अवगत कराया जा रहा है। जिले में परंपरागत रूप से मिट्टी के कार्य से संलग्न परिवारों एवं अन्य युवाओं को इस प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी कला को संवारने और वर्तमान बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिये स्वयं को तैयार करने का एक अवसर प्राप्त हुआ है, जिसके माध्यम से वह भविष्य में स्वरोजगार स्थापित कर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

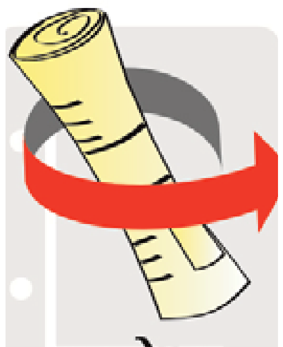
फालोअप

दिवाली से पहले कोतमा पुलिस का बड़ा धमाका

अवैध शराब विक्रय करने वालों के खिलाफ कसा शिकंजा

शहडोल के कोयलांचल से अनूपपुर के कोयलांचल पहुंची अवैध शराब

शराब दुकान के टेकेदार की भूमिका की भी की जा रही जांच 72 हजार की 52.800 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब सहित 80 हजार की स्कूटी जप्त

अनूपपुर/कोतमा हरिभूमि न्यूज। दिवाली से पहले अवैध तरीके से शराब के विक्रेताओं पर पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इस बार कोयलांचल मे दबिश देकर शराब माफियाओं पर कड़ी कार्यवाही कर चेतावनी दे दी है। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के निर्देशन तथा अति. पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) श्रीमती आरती शाक्य के मार्गदशन एवं थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ल के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में अवैध शराब बेचने परिवहन करने एवं अन्य अवैध गतिविधियों का संचालन करने वालों के विरूध्द अभियान चलाकर कार्यवाहियां की जा रही है।

1,60017 रूपये का मशरूका जप्त

8 अक्टूबर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि केशव चौधरी निवासी गोविन्दा गांव कोतमा का शासकीय कालेज के बगल वाले अपने घर में बड़ी मात्रा में अंगेजी शराब बिक्री करने हेतु रखा है। सूचना प्राप्त होने पर तत्काल थाना प्रभारी निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ल द्वारा पुलिस टीम गठित कर मुखबिर के बताये हुए स्थान पर विधिवत तरीके से रेड कार्यवाही कर घर के अन्दर से आरोपी केशव चौधरी के कब्जे से अंग्रेजी शराब ब्लेंडर प्राईड के 06 नग बोतल कुल 4.500 लीटर कीमत 9582 रूपये, अंग्रेजी शराब रायल स्टेज 32 बोतल कुल 24 लीटर कीमत 33,280 रूपये अंग्रेजी शराब रायल स्टेड 41 पाव कुल 7.380 लीटर कीमत 10.660 रूपये, अंग्रेजी शराब मेकडावल 45 पाव कुल 8.100 लीटर कीमती 19045 रूपये, अँग्रेजी शराब आईकोनिक व्हाईट 45 पाव कुल 8.100 लीटर कीमती 9450 रूपये एवं शराब परिवहन में उपयोग की गई एक स्कूटी वाहन क्रमांक एमपी 65 एस ए 0558 कीमती करीबन 80000 रूपये की व एक एण्ड्रायड मोबाईल 8000 कुल 52.800 लीटर शराब कीमत 72,000 रूपये कुल मशरूका 1,60017 रूपये का जप्त किया।

शराब दुकान मैनेजर फरार

आरोपी केशव चौधरी पिता बरनू प्रसाद चौधरी निवासी वार्ड नं. 11 कोतमा से पूछताछ पर ग्लैडविन वास्टिन पिता आईवा वास्टिन निवासी लहसुई कैम्प कोतमा की उक्त शराब होना बताया जिसकी पता तलाश कर आरोपी ग्लेडविन वास्टिन को गिरफ्तार किया गया। आरोपी ग्लेडविन ने पूछताछ पर अवैध शराब कम्पोजिट शराब दुकान धनपुरी जिला शहड़ोल से खरीदकर विक्रय हेतु मंगवाना बताया। आरोपी केशव चौधरी पिता बरनू चौधरी निवासी वार्ड क्र0 11 गोविन्दा गांव, ग्लैडविन वास्टिन पिता आईवा वास्टिन निवासी वार्ड क्र 13 लहसुई कैम्प कोतमा एवं कम्पोजिट शराब दुकान धनपुरी के शराब दुकान मैनेजर के विरूध्द आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है। फरार आरोपी कम्पोजिट शराब दुकान धनपुरी के शराब दुकान मैनेजर की पता तलाश कर शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चियत की जावेगी। साथ ही अवैध शराब की सप्लाई करने में धनपुरी शराब दुकान के ठेकेदार की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतमा निरीक्षक रत्नाम्बर शुक्ल के साथ उप निरीक्षक श्यामलाल, सहायक उपनिरीक्षक विनय सिंह, प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी, आरक्षक मनोज उपाध्याय, अभय त्रिपाठी, महेश साहू, चालक आरक्षक अनिल मरावी की सहरानीय भूमिका रही।

शहडोल रेंज में हंसी का विषय बना मामला

पुलिस का स्कूटी में शराब ढुलाई का विश्व रिकॉर्ड

अनूपपुर जिले में दवा कारोबार पर संकट बिना फार्मासिस्ट चल रहे मेडिकल स्टोर

कोयलांचल में नकली और नशीली दवाओं की भरमार

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज। प्रदेशभर में मेडिकल स्टोरों के संचालन को लेकर मध्य प्रदेश फार्मेसी काउंसिल ने सख्त रुख अपनाया है। काउंसिल ने साफ निर्देश जारी किए हैं कि अब किसी भी मेडिकल स्टोर पर पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बिना फार्मासिस्ट दवा बेचने वालों पर तीन महीने की सजा और लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। लेकिन अनूपपुर जिले की हकीकत इन आदेशों के ठीक उलट दिखाई देती है। यहां की ज़मीनी स्थिति यह बताती है कि जिला मुख्यालय से लेकर कोयलांचल के गांवों तक, बड़ी संख्या में मेडिकल स्टोर बिना फार्मासिस्ट, बिना निरीक्षण और बिना नियंत्रण के चल रहे हैं।

फार्मेसी काउंसिल का सख्त निर्देश

फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया और राज्य फार्मेसी काउंसिल द्वारा सभी जिलों को भेजे गए नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के मेडिकल स्टोर चलाना गैरकानूनी है। बिना चिकित्सक की प्रिस्क्रिप्शन पर दवा की बिक्री प्रतिबंधित है। किसी भी गैर-प्रमाणित व्यक्ति द्वारा दवा वितरण या बिक्री कानून का उल्लंघन मानी जाएगी। नियम तोड़ने वालों पर तीन माह की कैद, जुर्माना या दोनों की सजा के साथ लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। इन निर्देशों के बावजूद अनूपपुर जिले में फार्मेसी कानून की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं। जिले की स्थिति बेहद चिंताजनक है। सूत्र बताते हैं कि ड्रग इंस्पेक्टर महीनों से फील्ड में नहीं दिखाई देते और निरीक्षण केवल फाइलों में दिखाया जाता है। यही हाल खाद्य एवं औषधि निरीक्षकों का भी है। कई मेडिकल स्टोर एक ही फार्मासिस्ट के लाइसेंस पर चल रहे हैं। दवा दुकानों में फार्मासिस्ट का नाम बोर्ड पर नहीं लिखा होता है,लेकिन उसके नाम पर दूसरा कोई व्यक्ति दवा बेचता रहता है कोयलांचल में दर्जनों मेडिकल स्टोर बिना किसी लाइसेंसधारी फार्मासिस्ट के संचालित हैं। इन दुकानों पर नशीली दवाएं और नियंत्रित सिरप खुलेआम बेचे जा रहे हैं।

ग्रामीण और मजदूर वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित

गांवों और कोयलांचल बेल्ट के क्षेत्रों में रहने वाले श्रमिक और गरीब परिवारों को इसका सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि "यहां कोई भी व्यक्ति दवा दे देता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति न केवल कानून के लिए बल्कि जन स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। सूत्रों के मुताबिक अनूपपुर जिले के कोयलांचल इलाके में नशीली सिरप, दर्द निवारक इंजेक्शन, ट्रामाडोल और कोडीन आधारित दवाओं की भरमार है। कई दुकानों पर नकली और सस्ती ब्रांडेड दवाएं भी बेची जा रही हैं, जो मरीजों के स्वास्थ्य को बर्बाद कर रही हैं। स्थानीय सूत्र बताते हैं कि कुछ मेडिकल स्टोर स्थानीय नेताओं या प्रभावशाली व्यक्तियों के संरक्षण में चल रहे हैं। लाइसेंस पर दुकान" का खेल यहां आम बात है यानी एक लाइसेंस के नाम पर कई दुकानों से दवा बिक्री का कारोबार। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी ने लोगों के बीच नाराजगी बढ़ा दी है। विभाग की निष्क्रियता से न केवल नकली दवाओं का व्यापार फलफूल रहा है, बल्कि मरीजों की जिंदगी पर भी खतरा मंडरा रहा है

कानूनी स्थिति "कानून स्पष्ट है, पर अमल गायब है"

ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 42 के तहत बिना पंजीकृत फार्मासिस्ट के दवा बेचना दंडनीय अपराध है। इसमें तीन माह तक की सजा या जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। साथ ही, ऐसे मेडिकल स्टोर का लाइसेंस तत्काल निरस्त किया जा सकता है। लेकिन अनूपपुर जिले में कानून के बजाय समझौते की संस्कृति ने पूरे सिस्टम को कमजोर बना दिया है। जिले में ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा जांच नियमित नहीं की जाती। हर मेडिकल स्टोर का फार्मासिस्ट उपस्थिति रजिस्टर और लाइसेंस सत्यापन कभी नहीं किया जाता। अनूपपुर जिला प्रशासन के लिए यह जन स्वास्थ्य और प्रशासनिक ईमानदारी की परीक्षा का समय है। बिना फार्मासिस्ट दवा बिक्री केवल तकनीकी गलती नहीं, बल्कि आम जनता की जान के साथ खिलवाड़ है। यदि यह स्थिति नहीं सुधरी, तो आने वाले समय में अनूपपुर "नकली दवा तस्करी और नशे की मंडी" के रूप में बदनाम हो सकता है। सरकार और जिला प्रशासन को चाहिए कि वह तुरंत सख्त कार्रवाई करे और फार्मेसी कानून को जमीनी स्तर पर लागू कराए क्योंकि "जनता का स्वास्थ्य किसी भी व्यवस्था से बड़ा है।"

पुष्पराजगढ अमगंवा में फुटबॉल खिलाड़ियों का उत्साह बढाने आ सकते हैं मुख्यमंत्री

पं बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार, मप्र, झारखंड, उप्र सहित अन्य राज्यों के खिलाड़ी दिखा रहे हुनर

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज। युवाओं को खेल की मुख्य धारा मे लाने के लिये परमपूज्य जगत गुरु माऊली सरकार अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट चैंपियन ट्रॉफी 2025 का आयोजन अमगंवा, पुष्पराजगढ में भाजपा जिलाध्यक्ष हीरासिंह श्याम एवं नर्मदांचल वीर शिवा जी युवा संगठन पुष्पराजगढ़ द्वारा करवाया जा रहा है। गुरुवार को मोतीहारी (बिहार) और पीपरटोला (पुष्पराजगढ) का रोमांचक मैच देखने का अवसर मिला। मोतीहारी की मजबूत टीम को पीपरटोला के जांबाज खिलाडियों ने दांतो तले पसीना ला दिया। मोतीहारी की टीम कुशल, दक्ष, उर्जावान, शक्तिशाली और अधिक योजनाकृत थी। मैच 1-0 से मोतीहारी की टीम जीत गयी लेकिन पीपरटोला ने जिस क्षमता का परिचय दिया, उससे पुष्पराजगढ मे फुटबॉल का भविष्य बहुत उज्ज्वल दिख रहा है। दोनो मैच के उद्घाटन टास के साथ खेल का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर अतिथियों ने स्टार्टिंग शाट लगा कर गोल करके मैच का शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि अमगंवा मे भाजपा जिलाध्यक्ष हीरासिंह श्याम की अगुआई मे यहाँ के युवाओं द्वारा अन्तर्राज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट को देखने प्रदेश के मुख्यमंत्री डां मोहन यादव, प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, मंत्री दिलीप जायसवाल, सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह सहित अन्य मंत्रियों के आने की प्रबल संभावना है। यहाँ क्षेत्र की बडी टीमों के साथ पं बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र ,उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों की ख्याति लब्ध टीमों के हिस्सा लेने की पुष्ट सूचना है। समूचे आयोजन को सफल बनाने के लिये आयोजक नर्मदांचल वीर शिवा जी युवा संगठन पुष्पराजगढ़ की टीम हीरा सिंह श्याम जिला अध्यक्ष भाजपा, चैन सिंह सरपंच अमगंवा, लखन सिंह सचिव अमगंवा, चंद्रभान सिंह सरपंच ताली, लालता सिंह, जागेश्वर प्रसाद, पप्पू सिंह मसराम, रोशन पांडिया, आनंद केशवानी, विजय सिंह, चंद्रशेखर कुशवाहा, रंजीत सिंह के साथ अन्य लोगो का महत्वपूर्ण योगादान है। प्रतिदिन दोपहर एक बजे से शुरु होने वाले मैच को देखने के लिये हजारों लोग यहाँ पहुंच रहे हैं। यहाँ यह विशेष रुप से उल्लेखनीय है कि जगतगुरु माऊली सरकार फुटबॉल टूर्नामेंट अमगवां 2025 का आयोजन जिले के पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत अमगवां में नर्मदा अंचल वीर युवा संगठन एवं हीरा सिंह श्याम मित्र मंडली द्वारा किया जा रहा है। इस फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ 03 अक्टूबर को अनूपपुर जिले के कलेक्टर हर्षल पंचोली, अनूपपुर पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, अनूपपुर भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने पूजा अर्चना करके, फीता काटकर और नारियल फोड कर किया था। विंध्य क्षेत्र के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक खेला जाएगा। जिसमें देश के कोने-कोने से प्रतिभाशाली खिलाड़ी सम्मिलित हो रहे हैं। आने वाले दो दिन बाद जब टूर्नामेंट मे क्वार्टर फाइनल, सेमी फाईनल और फाइनल मैच होंगे तो टूर्नामेंट का रोमांच चरम पर होगा।

बजरंग दल की पहल से आवारा पशुओं को मिला सुरक्षा कवच

रात में दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सड़कों पर मवेशियों के गले में बांधी गई रेडियम पट्टियाँ

अमरकंटक हरिभूमि न्यूज। नगर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और आवारा पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बजरंग दल अमरकंटक इकाई ने एक अनोखी पहल शुरू की है। दल के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर घूम रहे आवारा मवेशियों के गले में रेडियम पट्टियाँ बांधने का अभियान प्रारंभ किया है, ताकि रात के समय वाहन चालकों को ये पशु दूर से ही दिखाई दें और दुर्घटनाओं से बचाव हो सके।

दुर्घटनाओं को रोकने का प्रयास

नगर संवाददाता उमाशंकर पाण्डेय 'मुन्नू' के अनुसार, यह अभियान विशेष रूप से उन पशुओं के लिए है

जिन्हें उनके मालिकों द्वारा लावारिस छोड़ दिया गया है और जो अक्सर सड़कों पर दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बीती रात नगर के विभिन्न मार्गों पर घूमकर इन पशुओं को चिन्हित किया और उनके गले में चमकने वाली रेडियम पट्टियाँ बांधीं।

जनजागरूकता का संदेश भी

बजरंग दल के नगर प्रमुख अंकुश द्विवेदी ने बताया कि "हम प्रतिदिन रात में नगर के अलग-अलग इलाकों में जाकर इन पशुओं को 'सुरक्षा कवच' प्रदान कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य सिर्फ दुर्घटनाओं को रोकना ही नहीं, बल्कि लोगों में भी यह जागरूकता लाना है कि आवारा पशु भी हमारी जिम्मेदारी हैं।

स्थानीय नागरिकों ने की सराहना

नगर के नागरिकों ने बजरंग दल की इस जनहितकारी पहल की सराहना की है और इसे अन्य नगरों के लिए भी अनुकरणीय बताया है। लोगों का कहना है कि ऐसी छोटी-छोटी कोशिशें मिलकर सड़क सुरक्षा और पशु संरक्षण दोनों के लिए बड़ा बदलाव ला सकती हैं।

नवागत जिला पंचायत सीईओ ने किया पदभार ग्रहण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत अनूपपुर की नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जिला पंचायत कार्यालय का पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने जिला पंचायत के अधिकारियो एवं कर्मचारियो से परिचय प्राप्त कर विभिन्न विषयो पर चर्चा की। ज्ञात हो कि जिला पंचायत अनूपपुर की नवागत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी वर्ष 2021 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी है। इसके पूर्व आप जिला शाजापुर के अनुभाग सुजालपुर में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के पद पर पदस्थ थी।